

गांधी हमारे लिए सिर्फ एक चित्र नहीं, बल्कि विचार हैं : सचिन पायलट

सचिन पायलट प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक “महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय” का विमोचन किया

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है। वे गांधी को अर्द्धोट करने की बात करते हैं, जिससे यह साफ झलकता है कि वे अब तक गांधी को प्रेम नहीं करते थे और केवल सुविधा पड़ने पर ही गांधी का सहारा लेते हैं। हमारे लिए गांधी एक विचार हैं, एक दृष्टि हैं, एक सोच हैं। जबकि उनके लिए गांधी सलेक्टिव पिकिंग का साधन है। खादी, चरखा और सफाई तक तो उन्हें गांधी याद आते हैं, लेकिन गांधी जी की क़ौमी एकता और सर्वधर्म समभाव की बात उन्हें असहज कर देती है। इतना ही नहीं, उनमें गांधी जी के प्रिय भजन ईश्वर अस्तीह तरे नो नाम, सबको संन्मति दे भगवान गाने की भी हिम्मत नहीं है। सचिन पायलट शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक “महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय” के विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि नरेश दाधीच के लिए गांधी केवल एक विषय नहीं, बल्कि उनका जुनून है। वे गांधी के विशुद्ध प्रेमी हैं और गांधी पर उनका गहरा अध्ययन है। वे लगातार गांधी की प्रासंगिकता पर लिखते रहे हैं और आज की नौजवान पीढ़ी को गांधी से जोड़ने के उनके प्रयास सराहनीय हैं।

पायलट ने कहा कि गांधी किसी व्यक्ति या दल की संपत्ति नहीं हैं। उन्होंने विचारधारा से ऊपर उठकर एक मजबूत राष्ट्र का सपना देखा। जनता उनके शब्दों को इसलिए स्वीकार करती है क्योंकि उनके



ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक “महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय” का विमोचन किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी तथा पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच समेत कई लोग मौजूद थे।

- पायलट ने कहा कि “कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है।”
- वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि “सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते हैं।”

व्यक्तित्व में नैतिक बल था, विश्वास था। उन्होंने कभी जनता का भरोसा नहीं तोड़ा और उनका एकमात्र हित देश की भलाई में निहित था। बिना युद्ध लड़े देश को आज़ादी दिलाया, वे गांधी की

शक्ति थी। राजनीति में विश्वास सबसे बड़ी ताकत है। यह वह संपत्ति है जिसे अर्जित करने में वर्षों लगते हैं, और यह किसी बाज़ार में बिकने वाली वस्तु नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि आज गांधी को प्रासंगिक बनाना सबसे बड़ी ज़रूरत है। नौजवान पीढ़ी में गांधी के प्रति जिज्ञासा पैदा करना अनिवार्य है। इस पीढ़ी के पास लंबी किताबें पढ़ने का धैर्य नहीं है, इसलिए यह संक्षिप्त जीवनी उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने लोकतंत्र और सत्ता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता के मोह से लोकतंत्र की मजबूती नहीं होती। स्वयं के बारे में बोलते हुए पायलट ने कहा कि राजनीति उनके लिए समाज में सकारात्मक बदलाव और सेवा का माध्यम है।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि

राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते हैं। नीरजा चौधरी ने कहा कि उनके मन में सवाल था कि गांधी की मृत्यु के अठतर साल बाद एक राजनीति विज्ञानी ने यह किताब क्यों लिखी, और इसका जवाब लेखक ने स्वयं दिया कि यह पुस्तक जनरेशन जी को ध्यान में रखकर लिखी गई है। गांधी का जीवन सुबह से लेकर शाम तक अनुशासित और प्रतिबद्धता से भरा हुआ था। आज की पीढ़ी के लिए गांधी के मूल्यों को फिर से प्रासंगिक बनाना आवश्यक है, और यह किताब उस दिशा में एक नई बहस को जन्म देगी।

पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच ने स्वागत भाषण में कहा कि सचिन पायलट भविष्य के नहीं, बल्कि वर्तमान के नेता हैं। वे पिछले पच्चीस वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं। वे अथक परिश्रमी, ज़मीन से जुड़े और संयमित वक्ता हैं।

अपनी पुस्तक पर बोलते हुए दाधीच ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी गांधी से विमुख होती जा रही है, जबकि गांधी ने अपने अधिकांश आंदोलन युवाओं की शक्ति से चलाए थे। स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युवाओं के सबसे बड़े नेता थे, फिर आज क्यों नहीं? इसी प्रश्न ने उन्हें यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। आज का युवा बदलाव चाहता है और अन्याय का विरोध करना उसकी प्रवृत्ति है। गांधी ने यही सिखाया कि अन्याय का विरोध अहिंसा से किया जाए। पूरी दुनिया आज गांधी को अन्याय के विरोध का प्रतीक मानती है। ज़रूरत है कि युवा पीढ़ी के सामने गांधी को उसी रूप में प्रस्तुत किया जाए जैसे वे वास्तव में थे। गांधी ने अपनी भूलों को स्वीकार किया, और यह वही कर सकता है जिसका दिल और दिमाग बड़ा हो।

शहरी निकाय के चुनाव टालना उचित नहीं, चुनाव कराने के लिए उठाए जरूरी कदम : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है।

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी।

नगर पालिकाओं के चुनाव में अनुचित देरी की स्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए जरूरी हो जाता है कि वह मामले में हस्तक्षेप करे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करने के लिए जरूरी उपाय करे।

इसके साथ ही अदालत ने उचित कार्रवाई के लिए आदेश का कॉपी मुख्य सचिव, राज्य भारतीय निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी है। वहीं अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

- अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी।

ज्याज्यादा जल्द ही जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश उर्मिला अग्रवाल व अन्य की याचिकाओं पर दिया।

याचिकाओं में अधिवक्ता जीएस गौतम सहित अन्य वकीलों ने कहा कि याचिकाकर्ता जनवरी, 2020 में अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में सरपंच बने थे। वहीं जून, 2021 में स्वायत्त शासन विभाग ने कुछ ग्राम पंचायतों को शहरी निकाय में शामिल कर लिया और चुने हुए याचिकाकर्ताओं को सरपंच और उप सरपंचों को शहरी निकाय में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बना दिया। याचिका में कहा गया कि गत 22 जनवरी को राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि उनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है और उनके स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी को

सनातन संस्कृति की धड़कन है संस्कृत : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की धड़कन और मानव सभ्यता की नींव है। वे मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित “भविष्याय संस्कृतम्” विषयक संभाषण शिबिर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

देवनानी ने इस अवसर पर बताया कि राजस्थान विधानसभा के 21 नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा संस्कृत में शपथ लेना एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो संस्कृत के पुनर्जागरण की दिशा में एक सशक्त कदम है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संस्कृत, ऋषि-मुनियों की देव भाषा होने के साथ-साथ विज्ञान की दृष्टि से भी सर्वोत्तम मानी जाती है। उन्होंने बताया कि नासा जैसे संस्थान भी कंप्यूटर विज्ञान में संस्कृत की

संभावनाओं पर शोध कर रहे हैं। जर्मन वैज्ञानिक संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन कर शोध और आविष्कार कर रहे हैं। संस्कृत में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देवनानी ने “अभिनव प्रयास” बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ का जुड़ाव संस्कृत से गहराता जा रहा है, जो भाषा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संस्कृत केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि रोजगार का भी सशक्त माध्यम है।

राज्य के विश्वविद्यालयों में ज्योतिष, कर्मकांड जैसे विषयों के विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें और समाज में संस्कृत का व्यावहारिक उपयोग बढ़े। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सुरेश सोनी और जय प्रकाश गौतम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में संस्कृत के विद्वान, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पूर्व डी.जी. पुलिस पीसी मिश्रा का निधन



जयपुर। राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक पूर्णचंद मिश्रा (पीसी मिश्रा) का शनिवार सुबह सवाई मानसिंह अस्पताल में देहांत हो गया। वे कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका दाह संस्कार रविवार को किया जायेगा। वे 26 जून 1985 से 31 जनवरी 1988 तक पुलिस महानिदेशक के पद पर रहे। मूलतः गुहावाटि के रहने वाले पीसी मिश्रा अपने पीछे दो पुत्रों समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनके एक बेटे अमेरिका में हैं, जबकि दूसरे बेटे कोलकाता में व्यवसाय करते हैं। स्व. मिश्रा की धर्मपत्नी सविता मिश्रा का वर्ष 2012 में निधन हो गया था।

‘हिंदू चिंतन ही विश्व समस्याओं का समाधान’

जयपुर। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, राजस्थान द्वारा आज जयपुर स्थित होलर रेडिसन, खासा कोठी में एक प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाग्येश भाई झा (चेयरमैन, गुजरात साहित्य अकादमी एवं सेवा निवृत्त अधिकारी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल उपस्थित रहे। भाग्येश भाई झा ने भारत का भविष्य, मानवीय मूल्य एवं प्रौद्योगिकी विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदू दर्शन और चिंतन ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने सनातन संस्कृति और तकनीकी के सामंजस्य को शांति और स्थायित्व

का आधार बताया। प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने विकसित भारत में हिंदुत्व की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि विकसित भारत का अर्थ है - स्वदेशी पर गर्व, नागरिक कर्तव्यों का पालन और पारिवारिक व्यवस्था की मजबूती। उन्होंने जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों पर समाज स्तर पर संवाद की आवश्यकता बताई। संस्थान के सचिव सोमकांत शर्मा ने हिंदू जीवन पद्धति की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज को पुनः भारतीय परंपराओं को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने मठ-मंदिरों और सामाजिक संस्थाओं के कार्यों को समाज में सामने लाने का आव्हान किया।

16 देशों के छात्रों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

जयपुर में “रन फॉर आयुर्वेद” का आयोजन हुआ

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की ओर से 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित “रन फॉर आयुर्वेद” रैली ने आमजन को आयुर्वेद से जोड़ने और निरोगी जीवन की प्रेरणा देने का कार्य किया। इस अवसर पर 16 देशों से आए छात्रों समेत लगभग 2000 प्रतिभागियों ने भाग लेकर आयुर्वेद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस जागरूकता रैली की शुरुआत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से होकर हवामहल और बड़ी चौपड़ तक हुई। रैली का आयोजन संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन चंद्रशेखर शर्मा, एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनील यादव ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता को आयुर्वेद और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। रैली के उद्देश्य आयोजित प्रेस वार्ता में कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से अब हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहा है। वर्तमान में संस्थान में 16 देशों के विद्यार्थी आयुर्वेद चिकित्सा में अध्ययन और अनुसंधान कर रहे हैं। प्रो. शर्मा ने बताया कि



राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से हवामहल और बड़ी चौपड़ तक शनिवार को “रन फॉर आयुर्वेद” रैली निकाली गई।

संस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा के साथ आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जा रहा है, जिससे कैंसर, दंत रोग, नेत्र रोग सहित विभिन्न रोगों के इलाज में लोगों को लाभ मिल रहा है। जल्द ही संस्थान में नया अत्याधुनिक ओपीडी ब्लॉक भी शुरू होने जा रहा है। कुलपति ने बताया कि संस्थान द्वारा स्पेशली एबलड बच्चों के इलाज हेतु बाल संवर्धन केंद्र, नशा मुक्ति इकाई, और

ऑनलाइन ओपीडी रजिस्ट्रेशन जैसी सेवाएं शुरू की गई हैं। इसके साथ ही, पंचकर्म विभाग और अन्य विशिष्ट चिकित्सा विभागों में देश-विदेश से हर साल लाखों मरीज इलाज के लिए आते हैं।

संस्थान में प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु पांडुलिपि विज्ञान विभाग कार्यरत है, जो पूरे भारत में अपनी तरह की एकमात्र

नोडल एजेंसी है। इसके अलावा, पेड़-पौधों की चिकित्सा के लिए एक विशेष वृक्ष आयुर्वेद विभाग भी स्थापित किया गया है।

इस मौके पर संस्थान के चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश नागर, डॉ. रितेश, डॉ. तरुण, और जलसंपर्क अधिकारी विनोद सैन भी उपस्थित रहे।

चलती कार से हवाई फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार व वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में सोशल मीडिया से प्रभावित होकर गैंग बनाने और वर्चस्व बढ़ाने के लिए हवाई फायर करना कबूल किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में बदमाश कमलेश कुमार बैरवा (27) निवासी पाण्डवा जिला दौसा और नरेश कुमार (24) निवासी जयसिंहपुरा रामनगरिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की है।

चलते ट्रेलर में अचानक लगी आग, चालक ने नीचे कूदकर जान बचाई

ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील, बड़ा हादसा टला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके के जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शनिवार सुबह चलते ट्रेलर में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दौरान वक्त रहते चालक ने ट्रेलर से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग लगने से ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील हो गया। पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट होने की कारण ट्रेलर में आग लग गई। थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि हादसा शनिवार सुबह 10 बजे

- पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रेलर में आग लगी थी, फायर ब्रिगेड की मदद से आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर हुआ था। जहां जयपुर से लोहे की पत्तियों का रोल लेकर ट्रेलर दिल्ली की तरफ जा रहा था। हाईवे पर अचानक आग निकलते ही इलाके में चलते ट्रेलर के केबिन से

धुआं उठने लगा। देखते ही देखते हवा लगने से कुछ ही देर में आग की भीषण लपटें उठने लगीं।

आग देखकर चालक ने तुरंत ट्रेलर को हाईवे किनारे रोक दिया और कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में ट्रेलर का केबिन पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। जिसकी सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने फायर ब्रिगेड की गाड़ी की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से लगी आग के चलते ट्रेलर का केबिन जलकर कबाड़ में बदल गया।

ट्रेफिक जाम और युवाओं की भीड़ में फंसे वाहन चालक



चतुर्थे श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा के कारण बीते 2 दिनों से राजधानी जयपुर में युवाओं व परीक्षार्थियों का रैला उमड़ता हुआ है। शनिवार शाम को जैसे ही परीक्षा खत्म हुई तो जयपुर के 200 फीट बायपास पर युवाओं की भीड़ एक साथ उमड़ी। यहां पर मेट्रो प्रोजेक्ट के कारण पहले से ही आधी सड़क पर आवाजाही बंद है। ऐसे में एकाएक बड़ी भीड़ के बीच वाहन चालक फंसकर रह गए, जिन्हें अपने गंत्य तक पहुंचने के लिए लंबी कतारों में फंसकर परेशान होना पड़ा।